



फर्जी दस्तावेजों से करोड़ों की टगी, कॉलोनाइजर व साथी धराए कृषि भूमि को कालोनी बताकर किया 3.62 करोड़ का फर्जीवाड़ा

नव भारत न्यूज
इंदौर. कृषि भूमि के फर्जी दस्तावेज बनाकर करोड़ों रुपए का लाभ उठाने वाले गिरोह का क्राइम ब्रांच की ईओडब्ल्यू टीम ने पर्दाफाश किया है. पुलिस ने इस मामले में दो कॉलोनाइजर को गिरफ्तार किया है, जिन्होंने अपने साथियों के साथ मिलकर कूटरेचित नक्शे और अनुबंध तैयार कर करोड़ों रुपए की टगी की थी.

एडीसीपी राजेश दंडोतिया ने बताया कि आवेदक विशाल सिंह की शिकायत पर क्राइम ब्रांच की फ्रॉड इन्वेस्टिगेशन टीम ने यह कार्रवाई की.



शिकायत में आरोप था कि कुछ लोगों ने फर्जी अनुबंध और नक्शा बनाकर करोड़ों की कीमत वाली कृषि भूमि का फर्जी सौदा कर लिया. जांच में खुलासा हुआ कि आरोपियों ने भूमि स्वामित्व को लेकर न्यायालय में मामला लंबित



रहने के बावजूद तथ्यों को छुपाकर नकली कॉलोनी का नक्शा और अनुबंध तैयार किया तथा उक्त भूमि को तीसरे पक्ष को बेचकर करीब 3 करोड़ 62 लाख रुपए का अनुचित लाभ अर्जित किया. गिरफ्तार आरोपियों में

सुनियोजित तरीके से की टगी

पूछताछ में सामने आया कि आरोपियों ने संगठित गिरोह बनाकर सुनियोजित तरीके से दस्तावेजों में हेरफेर कर यह टगी की. पुलिस ने आरोपियों के पास से मोबाइल फोन, बैंक पासबुक, चेकबुक और सदिग्ध दस्तावेज जब्त किए हैं. पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार कर प्रकरण दर्ज कर लिया है. क्राइम ब्रांच की ईओडब्ल्यू इन्वेस्टिगेशन टीम ने इस कार्रवाई में अहम भूमिका निभाई है. पुलिस अब आरोपियों की रिमांड लेकर उनके बैंक खातों, सहयोगियों और फर्जी दस्तावेजों सहित आरोपियों द्वारा टगी के अन्य मामलों की जानकारी भी जुटा रही है.

प्रवीण सिसोदिया और प्रवीण पूनमचंद के नाम शामिल हैं. इनके अन्य साथियों चंदन पिता प्रभुलाल, मेहरबान सिंह

पिता प्रभुलाल, सीमाबाई पति दशरथ और कृष्णाबाई पति मोहनलाल की भूमिका की भी जांच की जा रही है.



10 माह में 140 बिछड़ों को मिलाया अपनों से

- ▶ जीआरपी इंदौर बनी नई मुसाफिरो की रक्षक, परिवारों में लौटी खुशियां
- ▶ जीआरपी इंदौर का ऑपरेशन घर वापसी बना मिसाल

नवभारत न्यूज
इंदौर. रेलवे प्लेटफार्म पर अक्सर ऐसे दृश्य देखने को परिवारों से मिलवाकर उनकी खोज में मदद करने के लिए जीआरपी इंदौर का ऑपरेशन घर वापसी बना मिसाल है. इसका उद्देश्य है कि बिछड़े हुए या घरवालों से रूठकर आ जाते हैं. ऐसे में जीआरपी उनके लिए एक भरोसेमंद साथी बनकर सामने आती है. ऑपरेशन घर वापसी इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है. इसके तहत जीआरपी की टीम गुमशुदा और लावारिस बच्चों को सुरक्षित उनके परिवार तक पहुंचाकर अपनों से मिलाने का काम करती है. इस पहल के तहत बीते 10 महीनों में इंदौर जीआरपी ने 140 असंरक्षित बच्चों (68 बालक और 72

लेटफार्म, ट्रेन और आसपास के क्षेत्रों में लगातार चलाया सर्च अभियान रेलवे एसपी पदमविलोचन शुक्ल के निर्देशन में टीम ने प्लेटफार्म, ट्रेन और आसपास के क्षेत्रों में लगातार सर्च अभियान चलाया. जीआरपी पुलिस ने बच्चों से संवाद कर उनकी पहचान जुटाई, उन्हें परामर्श दिया और घर तक सुरक्षित पहुंचाया. कई बार पुलिसकर्मी खुद बच्चों को अपने संरक्षण में लेकर घर तक छोड़ने भी गए, ताकि उन्हें किसी भी अनहोनी से बचाया जा सके.

बालिकाओं) को सुरक्षित अपने परिवारों से मिलवाकर उनकी खोज में मदद करने के लिए जीआरपी इंदौर का ऑपरेशन घर वापसी बना मिसाल है. इसका उद्देश्य है कि बिछड़े हुए या घरवालों से रूठकर आ जाते हैं. ऐसे में जीआरपी उनके लिए एक भरोसेमंद साथी बनकर सामने आती है. ऑपरेशन घर वापसी इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है. इसके तहत जीआरपी की टीम गुमशुदा और लावारिस बच्चों को सुरक्षित उनके परिवार तक पहुंचाकर अपनों से मिलाने का काम करती है. इस पहल के तहत बीते 10 महीनों में इंदौर जीआरपी ने 140 असंरक्षित बच्चों (68 बालक और 72

कानून के साथ संवेदना की भी पहचान बनी पुलिस एसपी पदमविलोचन शुक्ल ने नव भारत को बताया कि हमारी प्राथमिकता सिर्फ कानून-व्यवस्था नहीं, बल्कि हर उस मुसाफिर की सुरक्षा है, जो रेल मार्गों से जुड़ा है, खासतौर पर वे बच्चे जो किसी कारणवश भटक जाते हैं. उनको मुस्कान ही हमारी सबसे बड़ी सफलता है. जीआरपी का यह अभियान पुलिस के मानवीय चेहरे को सामने लाता है जहां वदी केवल कानून की नहीं, संवेदना की भी पहचान बन गई है.

नकली मेट्रोमोनियल कॉल सेंटर चलाते चार आरोपी दबोचे

- ▶ आरोपियों से 90 मोबाइल और 5 लैपटॉप जब्त
- ▶ एरोड्रम थाना और सायबर थाना जौद (हरियाणा) की संयुक्त कार्रवाई



का नेतृत्व एरोड्रम थाना प्रभारी निरीक्षक तरुण सिंह भाटी ने किया. उन्होंने बताया कि 31 अक्टूबर को हरियाणा के सायबर थाना जौद के पीएएसआई संदीप कुमार अपनी टीम के साथ इंदौर आए, उन्होंने बताया कि उनके थाना क्षेत्र में दर्ज एक ऑनलाइन टगी प्रकरण में कुछ आरोपी इंदौर से संचालित फर्जी कॉल सेंटर के माध्यम

से सक्रिय हैं. सूचना के आधार पर एरोड्रम पुलिस और जौद सायबर थाना टीम ने कालानी नगर स्थित आरती अपार्टमेंट के फ्लैट नंबर 302 पर दबिस्त दी. वहां वॉर्डिंग एंड कम्प्युनिटी मेट्रोमोनियल नाम से फर्जी कॉल सेंटर चलाते हुए रिटु पिता हरीशचंद्र नामदेव, प्रमोला रोकड़े पत्नी सूरज धामिक, प्रिया पत्नी छत्रपति

रोकड़े, सूरज पिता भगवानदास धामिक को गिरफ्तार किया. पुलिस ने इनके कब्जे से 37 एंड्रॉइड मोबाइल फोन, 53 कीपैड मोबाइल फोन, 5 लैपटॉप के साथ एक लाख 40 हजार 300 रुपए नकद के साथ रसीद बुक्स और सदिग्ध बैंक चेक बुक्स, 30 रजिस्टर, 4 क्यूआर कोड और अन्य दस्तावेज जब्त किए हैं.

एक नजर में सेवा भावना ही कर्मचारी की सफलता का मूलमंत्र

इंदौर. किसी भी शासकीय कर्मचारी की सफलता का मूलमंत्र उसकी सेवा भावना, कर्तव्यपरायणता, समर्पण और तत्परता है. इसी से उसका कार्य, कार्यालय और विभाग प्रसिद्धि पाता है. उक्त आशय के विचार विभिन्न अतिथियों ने व्यक्त किए. मौका था पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के पोलोग्राउंड मुख्यालय में कंपनी के प्रबंध निदेशक अनूप कुमार सिंह के मुख्यालय में कार्यक्रम में शरीर मंडल जोग के सेवानिवृत्त समारोह का. इसमें प्रबंध निदेशक समेत मुख्य महाप्रबंधक प्रकाश सिंह चौहान, मुख्य अभियंता श्रीमती सुषमा गंगार, श्रीमती रीना चौधरी, संयुक्त सचिव तरुण उपाध्याय, अनुराग मिश्रा आदि ने अपने विचार रखे. सेवानिवृत्त हुए मंडल जोग ने बिजली बोर्ड, ऊर्जा विभाग, बिजली कंपनी द्वारा 41 वर्ष की सेवा अवधि के दौरान मिले सहयोग के प्रति आभार जताया.

केंद्रीय जेल में मनाया राष्ट्रीय एकता दिवस



इंदौर. राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर केंद्रीय जेल इंदौर में भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया. लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150 वीं जयंती पर आयोजित इस समारोह में जेल स्टाफ और बंदिनों में देश की एकता और अखंडता का संकल्प लिया. मध्यप्रदेश शासन के निर्देशानुसार आयोजित कार्यक्रम में सबसे पहले केंद्रीय जेल अधीक्षक श्रीमती अलका सोनकर ने उपस्थित जेल स्टाफ के साथ ही पुरुष एवं महिला बंदिनों को राष्ट्रीय एकता और अखंडता की शपथ दिलाई. इस अवसर पर उन्होंने आधुनिक भारत के निर्माण में सरदार पटेल के योगदान और उनके अथक प्रयासों पर प्रकाश डाला. कार्यक्रम में केंद्रीय जेल के बंदी बंड ने वह सरदार हमारा है गीत की शानदार प्रस्तुति दी, जिसने सभी को देशभक्ति से सराबोर कर दिया. इसके बाद जेल स्टाफ और स्वयं अधीक्षक सोनकर ने भी स्मृति गीतों की भावपूर्ण प्रस्तुतियां दीं. इस आयोजन में उप जेल अधीक्षक इंद्र नागर, लड़िया खुशवंती तथा वरिष्ठ परिप्रेक्षक कल्याण अधिकारी अभिषेक दांगी का विशेष समन्वय और योगदान रहा.

30 ग्राम ब्राउन शुगर के साथ तस्कर धराया

इंदौर. क्राइम ब्रांच ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए अवैध मादक पदार्थ ब्राउन शुगर के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया है. आरोपी के कब्जे से करीब 30 ग्राम ब्राउन शुगर अंतरराष्ट्रीय कीमत लगभग 3 लाख रुपए और एक बिना नंबर की मोटरसाइकिल बरामद की गई है. क्राइम ब्रांच आरोपी से पूछताछ कर रही है. पुलिस आयुक्त के निर्देश पर शहर में मादक पदार्थों की तस्कर के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई. पुलिस को सूचना मिली थी कि हुकुमचंद मिल एरिया स्थित साईं मंदिर के पास आम रोड पर एक व्यक्ति सदिग्ध रूप से घूम रहा है. क्राइम ब्रांच की टीम मौके पर पहुंची तो सदिग्ध युवक पुलिस को देखकर भागने लगा, लेकिन घेराबंदी कर उसे पकड़ लिया. पूछताछ में उसने अपना नाम बादल धनोलिया निवासी तेजाजी नगर बताया. तलाशी लेने पर उसके पास से 30 ग्राम ब्राउन शुगर मिली. आरोपी ने कबूला कि वह सस्ते दामों में ब्राउन शुगर खरीदकर शहर में नशे के आदी लोगों को ऊंचे दामों पर बेचता था. पुलिस जांच में यह भी सामने आया कि बादल के खिलाफ पहले से आधा दर्जन से अधिक अपराध दर्ज हैं. पुलिस ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है. एडीसीपी क्राइम ब्रांच राजेश दंडोतिया ने बताया कि आरोपी से पूछताछ में अन्य तस्करों और सप्लायर नेटवर्क के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है. क्राइम ब्रांच का यह अभियान आगे भी जारी रहेगा, ताकि शहर को नशे के कारोबार से मुक्त किया जा सके.

महिला को मदद के बहाने उज्जैन बुलाया, रतलाम में बेच दिया

- ▶ राउ पुलिस ने महिला को बरामद कर दो आरोपी दबोचे



नव भारत न्यूज
इंदौर. राउ पुलिस ने एक महिला को गुमशुदगी की जांच के दौरान चौकाने वाला मामला उजागर किया है. पुलिस ने महिला को रतलाम से बरामद कर लिया है. दरअसल, उसे एक महिला ने अपने रिश्तेदार की मदद से बेच दिया था. पुलिस ने खरीदार और एक सहयोगी को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि मुख्य आरोपी महिला पहले से ही जेल में बंद है. राउ थाना प्रभारी राजपाल सिंह राठौर ने बताया कि 30 जून को



किसी तरह की घटना से इनकार किया, लेकिन बाद में खुलासा किया कि पति से विवाद के बाद वह उज्जैन अपने रिश्तेदार से मिलने गई थी. वहीं रेलवे स्टेशन

पर उसकी मुलाकात मंगू बाई नामक महिला से हुई, जिसने बातचीत के दौरान भरोसा जीतकर उसकी मदद का आश्वासन दिया और अपने घर बुलाया. घर पहुंचने पर मंगू बाई के साथ उसका भांजा जितेन्द्र बरोड भी मौजूद था. दोनों ने मिलकर रतलाम के रहने वाले दिनेश चौधरी से संपर्क किया और महिला को डेढ़ लाख रुपए में बेच दिया. पुलिस ने शुक्रवार को दिनेश चौधरी और जितेन्द्र बरोड को गिरफ्तार कर लिया है. पूछताछ में सामने आया कि मुख्य आरोपी मंगू बाई इस समय गुजरात के एक अन्य प्रकरण में जेल में बंद है. पुलिस अब उसे प्रोडक्शन वारंट पर इंदौर लाकर पूछताछ करेगी.

दो नाबालिग बच्चों का अपहरण पुलिस की टीम कर रहीं तलाश

इंदौर. शहर में दो अलग-अलग इलाकों से नाबालिग बच्चों के लापता होने के मामले सामने आए हैं. दोनों ही मामलों में पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ अपहरण का प्रकरण दर्ज कर बच्चों की तलाश शुरू कर दी है. पहला मामला एरोड्रम थाना क्षेत्र का है, जहां शुभम नार निवासी अमृत चौहान ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि शाम करीब 5.30 बजे उनका नाबालिग बेटा घर के पास खेलते समय किसी अज्ञात व्यक्ति के बहकाव में आकर लापता हो गया. परिजनों की तलाश के बाद भी उसका कोई पता नहीं चल सका, जिस पर पुलिस ने मामला दर्ज किया. दूसरी घटना लसुडिया थाना क्षेत्र की है. यहां सपना चौहान पति ईश्वर चौहान, निवासी छठकुंड के पास राहुल गांधी नगर ने शिकायत दर्ज कराई कि शाम 7 बजे के आसपास उनकी नाबालिग बेटी को किसी अज्ञात व्यक्ति ने बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया. दोनों ही घटनाओं में पुलिस ने अज्ञात आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है और टीमों को आसपास के इलाकों में सौसीटीवी फुटेज व स्थानीय सूत्रों की मदद से जांच में लगाया है. पुलिस का कहना है कि बच्चों को जल्द सुरक्षित बरामद करने के लिए हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं.

सगाई में आतिशबाजी पर पड़ोसियों ने परिवार को पीटा मारपीट में एक युवक के सिर में गंभीर चोट, आईसीयू में भर्ती

नव भारत न्यूज
इंदौर. चंदन नगर क्षेत्र में सगाई समारोह के बाद शुगर में की गई आतिशबाजी बवाल का कारण बन गई. आतिशबाजी रोकवाने को लेकर दो पक्षों में विवाद इतना बढ़ा कि पड़ोसियों ने परिवार के लोगों पर लोहे के पाइप और डंडों से हमला कर दिया. इसमें एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे अस्पताल के आईसीयू में भर्ती किया गया है. पुलिस ने तीन आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है. चंदन नगर थाना प्रभारी इंद्रमणि पटेल ने बताया कि घटना थाना क्षेत्र के लोहा गेट की है. फरियादी निजामुद्दीन मंसूरी की शिकायत पर मोहम्मद अजम, शरीफ पुत्र



मोहम्मद असलम और मोहम्मद यासिर पुत्र मोहम्मद असलम के खिलाफ एक आईआर दर्ज की गई है. फरियादी ने बताया कि उसके ताक के बेटे जुल्फिकार मंसूरी की सगाई के बाद वे घर के सामने आतिशबाजी कर रहे थे. तभी पड़ोसी मोहम्मद अजम, शरीफ और यासिर वहां आ गए और आतिशबाजी बंद करने को कहने लगे. निजामुद्दीन ने बताया कि जब उन्होंने कहा

कि सगाई का कार्यक्रम है, इसलिए थोड़ी देर की आतिशबाजी हो रही है, तो तीनों गाली-गलौज करने लगे. विवाद बढ़ने पर शरीफ और यासिर ने जुल्फिकार को पकड़ लिया, जबकि अजम ने लोहे के पाइप से उसके सिर पर वार कर दिया, जिससे वह लहलुहान होकर गिर पड़ा और बेहोश हो गया. इसी दौरान मो. इमरान मंसूरी जब बीच-बचाव के लिए आगे आया तो आरोपियों ने उसे भी पाइप से सीने पर मारा, जिससे उसे चोट आई. इसके बाद आरोपियों ने परिवार के अन्य सदस्यों के साथ भी मारपीट और गाली-गलौज करते हुए धमकाना, हमले में कई लोगों को चोटें आईं. घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची.

जीआरपी एसपी की कार को ट्रक ने मारी टक्कर, बाल-बाल बचे

इंदौर. बायपास पर शुक्रवार सुबह रेलवे एसपी पदमविलोचन शुक्ला के सरकारी वाहन को एक ट्रक ने सामने से जोरदार टक्कर मारी. एसपी उस समय रन फॉर यूनिटी कार्यक्रम में शामिल होने जा रहे थे. हादसा फोनिक्स मॉल के पास हुआ. बताया जाता है कि रेलवे एसपी पदमविलोचन शुक्ला अपने सरकारी वाहन से शुक्रवार सुबह रन फॉर यूनिटी कार्यक्रम में भाग लेने जा रहे थे. उसी दौरान सामने से आ रहे एक ट्रक ने उनकी कार को सीधी टक्कर मार दी. हादसा इतना जबरदस्त था कि कार का अगला हिस्सा क्षतिग्रस्त हो



गया, लेकिन एसपी शुक्ला पूरी तरह सुरक्षित रहे, सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और ट्रक चालक को हिरासत में ले लिया. प्रारंभिक जांच में ट्रक चालक की लापरवाही को हादसे की वजह माना जा रहा है. एसपी रेलवे को कोई चोट नहीं आई है और वे पूरी तरह स्वस्थ हैं. पुलिस घटना की जांच कर रही है.

एक नजर में ▶ गंदगी और कचरा डालने वालों पर निगरानी के लिए लगाए गए कैमरे दरोगा ने ही हटा दिए

पंचम की फेल क्षेत्र में कुछ रहवासी खुद ही कचरा डालकर फैला रहे गंदगी



यहां कचरा पकाने पकाने 3 इंदौर. शहर को साफ-सुधरा रखने के लिए हर क्षेत्र में कचरा संग्रहण वाहन के जरिये घर-घर से कचरा इकट्ठा किया जा रहा है. इससे जगह-जगह लगे कचरे और गंदगी के ढेरों की समस्या खत्म हो गई. परिणामस्वरूप इंदौर शहर स्वच्छता के मामले में देश में लगातार अबल बना हुआ है. लेकिन, वर्तमान में देखा जा रहा है कि कई क्षेत्रों में कुछ

पता चला कि क्षेत्र में हर दिन सुबह करके का अम्बार लग जाता है. कारण पृष्ठने पर रहवासियों ने बताया कि क्षेत्र में कचरा संग्रहण वाहन नियमित आता है, बावजूद इसके आस-पास के लोग घरों का कचरा वाहन में ना डालते हुए सड़क किनारे फेंक जाते हैं. उन्होंने बताया कि क्षेत्र के कुछ रहवासी देर रात या अलसुबह सड़क किनारे कचरा डाल जाते हैं. हालांकि, नगर निगम द्वारा क्षेत्र के कुछ चिन्हित स्थानों पर कैमरे लगाए गए हैं, ताकि खुले में कचरा फेंकने वालों का पता चल सके. लेकिन हैरानी की बात यह है कि यह कैमरे लगाए जाने के 15 दिन बाद ही क्षेत्र के दरोगा द्वारा सभी कैमरे निकाल दिए गए.

यह बोले रहवासी

कचरा वाहन नियत समय पर आता है, लेकिन कुछ गलियों में नहीं जाता. इसलिए इन तंग गलियों में कूड़ा रहवासी खुले में कचरा डाल जाते हैं. इससे कचरे का ढेर इतना बढ़ जाता है कि क्षेत्र में गंदगी फैल जाती है. - मनीष कुमार बरवा

स्वच्छता बनाए रखें. नगर निगम को ऐसे लोगों पर सख्ती करना चाहिए. - आदित्य जाटवा

कैमरे लगे हुए थे, चालानी कार्रवाई के डर से लोग खुले में कचरा नहीं डालते थे. लेकिन लगाने के 15 दिन बाद ही कैमरे निकाल दिए गए और लोगों ने फिर से खुले में कचरा डालना शुरू कर दिया. ऐसे लोगों की निगरानी के लिए कैमरे पुनः लगाए जाने चाहिए.

राशन कुमार बरवा चिन्हित स्थानों पर फिर से लगाए जाएं कैमरे जिम्मेदार अधिकारियों, दरोगा और एनजीओ को भी सख्त हिदायत देते हुए उन्हें पॉइंट बता दिए गए हैं, वहां दोबारा कैमरे लगाए जाएं और कचरा फेंकने वालों पर सख्ती से चालानी कार्रवाई की जाएगी. - नंदकिशोर पहाड़िया, पार्श्व